भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
07.02.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 604 का उत्तर

रेलमार्गों के निर्माण में तेजी लाने की योजना

604. डा. अजित माधवराव गोपछड़े:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने नांदेड-लातूर, उदगीर-बोधन-डेगलूर और बोधन-बिलोली-मुदखेड़-ताजबंद-लातूर रेलमार्ग के निर्माण में तेजी लाने की योजना बनाई है; और

(ख) इन तीनों रेलमार्गों को कब तक चालू करने की योजना है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): नांदेड़-लातूर रोड (104 कि.मी.) और बोधन-लातूर रोड (135 कि.मी.) नई लाइनों के सर्वेक्षण को स्वीकृति दी गई है।

उदगीर-बोधन-देगलूर लाइन के संबंध में, उदगीर और बोधन दोनों रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं और उदगीर-देगलूर-बोधन मार्ग बोधन-लातूर रोड के नए लाइन सर्वेक्षण के निकट है।

भारतीय रेल पर रेल परियोजनाओं को मंजूरी देना सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। रेलवे की अवसंरचनात्मक परियोजनाओं को लाभप्रदता, अंतिम स्थान संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्ग, भीड़भाड़/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर शुरू किया जाता है जो चालू परियोजनाओं की दायिताओं, निधियों की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों पर निर्भर करता है।

परियोजना की मंजूरी के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदन यथा नीति आयोग का मूल्यांकन, वित्त मंत्रालय आदि की समीक्षा आदि शामिल है। चूंकि परियोजनाओं की मंजूरी सतत् और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए निश्चित समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

******

SK